आयोजन समिति

मुख्य संरक्षक
प्रो. कपिल देव मिश्र
(कुलपति, रा.दु.वि.वि., जबलपुर)

संरक्षक
रेव. जेराल्ड अल्मेडा
(अध्यक्ष, शासी निकाय)
संत अलॉयसियस महाविद्यालय

संगोष्ठी अध्यक्ष
रेव. डॉ. वलन अरासू
(प्राचार्य)
संत अलॉयसियस महाविद्यालय

संयोजक
डॉ. रामेन्द्र प्रसाद ओझा
विभागाध्यक्ष, हिंदी विभाग
मो. 09827751341

सचिव

डॉ. कैरोलिन सैनी
सहा. प्रा., हिंदी विभाग
मो. 09424658206

डॉ.मंजू मारिया सालोमन
विभागाध्यक्ष. इतिहास विभाग
मो. 09826751607

सह–सचिव

डॉ. रीना थॉमस
सहा. प्रा., हिंदी विभाग
मो. 9926621551

डॉ. अभिलाषा शुक्ला
सहा. प्रा., हिंदी विभाग
मो. 9179196111

परामर्श समिति

डॉ. धीरेन्द्र पाठक, अध्यक्ष, हिंदी विभाग, रा.दु.वि.वि., जबलपुर
प्रो. त्रिभुवननाथ शुक्ल पूर्व अध्यक्ष, हिंदी विभाग, रा.दु.वि.वि., जबलपुर
श्री चंद्रमोहन दास,पूर्व राज्यमंत्री, मध्यप्रदेश सरकार
श्री श्याम कांत निगम, प्रभारी,, सांस्कृतिक प्रकोष्ठ, शहीद स्मारक न्यास, संस्थापक– अखिल भारतीय महर्षि महेश योगी संस्थान
श्री राजेन्द्र कुमार टेहन्गुरिया, प्रबंध सचिव, शहीद स्मारक न्यास, जबलपुर

राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी

''भारतीयता के सजग प्रहरी सेठ गोविंद दास''

28–29 जून 2022

आयोजक

हिंदी एवं इतिहास विभाग

संत अलॉयसियस (स्वशासी) महाविद्यालय, जबलपुर (म.प्र.)

प्रति .....
.....
.....
.....

प्रेषकः–

डॉ. रामेन्द्र प्रसाद ओझा
अध्यक्ष, हिंदी विभाग
संत अलॉयसियस स्वशासी महाविद्यालय,
जबलपुर (म.प्र.)

राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी

''भारतीयता के सजग प्रहरी सेठ गोविंद दास''

28–29 जून 2022

आयोजक

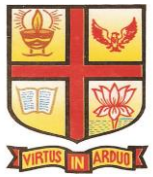

हिंदी एवं इतिहास विभाग

संत अलॉयसियस (स्वशासी) महाविद्यालय, जबलपुर (म.प्र.)

Reaccredited 'A+' by NAAC (CGPA 3.68/4.00)
College with Potential for Excellence by UGC
DST-FIST Supported & Star College Scheme by DBT
Jabalpur, Madhya Pradesh, India

ई मेल : hind.sac@gmail.com
www.staloysiuscollege.ac.in

जबलपुर : एक दृष्टि में

जबलपुर और इसके आस–पास का क्षेत्र पुरातत्व की दृष्टि में म.प्र. के सबसे समृध्द क्षेत्रों में से एक है। मध्यप्रदेश के प्राचीनतम साम्राज्यों कल्चुरी एवं गौंड वंशों का केंद्र बिंदु जबलपुर ही रहा है।

यह मध्य भारत का प्रमुख नगर है। जाबालि ऋषि की पुनीत कर्मभूमि होने के कारण इसका नाम जबलपुर पड़ा। यहाँ की संस्कृति और परंपरा से प्रेरित होकर आचार्य बिनोवा भावे ने इसे संस्कारधानी कहकर संबोधित किया। प्राकृतिक मनोहारी छटा से आच्छादित भेडाघाट जिले की मुख्य धरोहर है और संगमरमरी वादियों के लिए विश्व प्रसिध्द है।

महाविद्यालय : एक दृष्टि में

सन् 1951 में स्थापित संत अलॉयसियस स्वशासी महाविद्यालय कैथोलिक डायसिस जबलपुर द्वारा संचालित प्रमुख शैक्षणिक संस्थान है। राष्ट्रीय प्रत्यायन गुणवत्ता प्रकोष्ठ से 'A' श्रेणी प्राप्त इस महाविद्यालय को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा सी.पी.ई का दर्जा प्राप्त है।

2007–2008 में स्वायत्ता प्राप्त महाविद्यालय का सतत्प्रयास रहा है कि अकादमिक उत्कृष्टता के साथ ही चरित्र निर्माण में भी अग्रणी रहे। हिंदी विभाग की स्थापना सन् 1951 में हुई तथा हिंदी साहित्य के पाठ्यक्रम का प्रारंभ 1961 में हुआ। विभाग का सूत्र वाक्य है ''हिंदी का सम्यक् ज्ञान''।

संगोष्ठी : एक दृष्टि में

संस्कारधानी के अग्रणी साहित्यकारों में सेठ गोविंद दास प्रमुख हैं। एक साहित्यकार के रूप में विभिन्न विधाओं पर लेखनी चलाकर उन्होंने अपनी अलग पहचान स्थापित की है, साथ ही साथ हिंदी भाषा के विकास में उनका योगदान अतुलनीय है। सेठ गोविंद दास ने भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में भी सक्रिय भूमिका निभाई। एक राजनेता के रूप में उन्होंने विभिन्न उत्तरदायित्व को पूर्ण किया। इस संगोष्ठी द्वारा सेठ गोविंद दास के जीवन पर आधारित विभिन्न पहलुओं पर चिंतन, मंथन तथा शोध संपन्न हो सकेगा।

प्रस्तावित शोध उपविषयः–

- हिंदी भाषा की महत्ता स्थापित करने में सेठ गोविंद दास की भूमिका
- सेठ गोविंद दास की रचनाओं पर स्वाधीनता आंदोलन का प्रभाव
- भारतीय सामाजिक दृष्टिकोण का सेठ गोविंद दास की रचनाओं पर प्रभाव
- भारतीय स्वाधीनता आंदोलन और सेठ गोविंद दास
- सेठ गोविंद दास के नाटकों को प्रभावित करने वाले तत्व
- गांधीवाद और सेठ गोविंद दास
- सेठ गोविंद दास के उपन्यासों का रचना–शिल्प
- भारतीय संस्कृति के संवाहक सेठ गोविंद दास
- भारतीय राजनीति में सेठ गोविंद दास का योगदान
- हिंदी साहित्य में सेठ गोविंद दास का स्थान
- सेठ गोविंद दास की रचनाओं में चित्रित इतिहास का वर्तमान संदर्भों में मूल्योकन
- सेठ गोविंद दास के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर परिवेशगत प्रभाव
- जबलपुर के सांसद सेठ गोविंद दास
- सेठ गोविंद दास पर आधारित अन्य विषय

नोटः–चयनित शोध पत्रों को ISBN पुस्तक में प्रकाशित किया जाएगा।

शोध पत्र का प्रारुप

फांट : कृतिदेव 10, साईज 14

शोध पत्र भेजने की अंतिम तिथि

20 जून 2022

शोध पत्र भेजने हेतु ई मेलः

ID- sachindiseminar2021@gmail.com

राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी

''भारतीयता के सजग प्रहरी सेठ गोविंद दास''

28–29 जून 2022

पंजीयन लिंक

https://forms.gle/kvNpKS66LxNm5pMV6

पंजीयन शुल्क

प्राध्यापक – 500 रु.

शोधार्थी – 400 रु.

Bank Details:

Beneficiary Name- Principal,
St. Aloysius'College, Jabalpur
Credit Account No.
5201214000008
IFSC Code: CNRB0005201
Bank Name: Canara Bank
Branch: Gorakhpur, Jabalpur
Account Type: Current